

22/4/24

भाज मह पत्रादली वही स्वै हरा प्राण्ड  
प्रस्तुत करने पर पेशी में ली गरी वरी ने  
क्यासा की वरी क सतिवारी ॥१॥ के ५६५ राफीनामा  
हो हुमा ह्य राषा को भागे नही चलाग पास्ता  
ह्य विद्या डिमा पाको पाति स्वै वाद विद्या कुरा  
पास्ता ह्य विदों नर मिदली का अगिडा रिमा  
पाता ह्य नंबर से कद हो

आदेश हुमा गमा

<sup>रि</sup>  
उपखण्ड अधिकारी  
सूरतगढ़ (राज.)

क ६७/५/२५  
श्रीगणेशाय नमः  
क